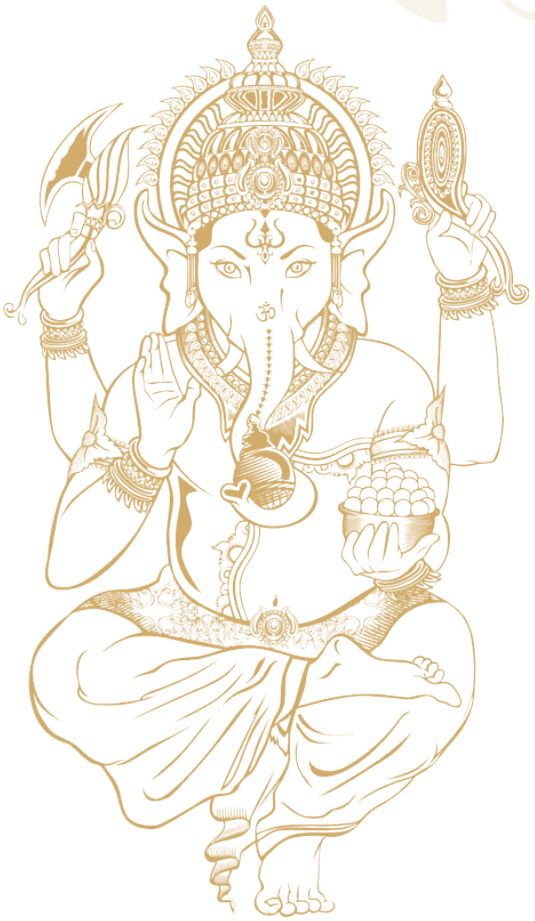

Kritika

12 Feb 1998

01:17 AM

Jaipur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121307605

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**11-12/02/1998**
दिन	बुध-गुरुवार
जन्म समय	**01:17:00 घंटे**
इष्ट	45:26:08 घटी
स्थान	**Jaipur**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	26:53:00 उत्तर
रेखांश	75:50:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:26:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	00:50:20 घंटे
वेलान्तर	-00:14:17 घंटे
साम्पातिक काल	10:17:01 घंटे
सूर्योदय	07:06:32 घंटे
सूर्यास्त	18:15:35 घंटे
दिनमान	11:09:03 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	29:03:14 मकर
लग्न के अंश	02:29:29 वृश्चिक

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृश्चिक - मंगल
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**मघा - 2**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	शोभन
करण	बालव
गण	राक्षस
योनि	मूषक
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	मी-मीनाक्षी
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृश्चि	02:29:29	309:41:47	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	---
सूर्य			मक	29:03:14	01:00:40	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	शत्रु राशि
चंद्र			सिंह	03:26:46	12:11:05	मघा	2	10	सूर्य	केतु	सूर्य	मित्र राशि
मंगल			कुंभ	19:53:33	00:47:05	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	मंगल	सम राशि
बुध		अ	मक	21:06:56	01:41:12	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	सम राशि
गुरु			कुंभ	07:55:37	00:14:22	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	सम राशि
शुक्र			धनु	25:19:22	00:13:34	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	सम राशि
शनि			मीन	22:31:56	00:05:30	रेवती	2	27	गुरु	बुध	चंद्र	सम राशि
राहु	व		सिंह	16:40:29	00:01:01	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	चंद्र	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	16:40:29	00:01:01	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			मक	15:41:15	00:03:26	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	शनि	---
नेप			मक	06:40:29	00:02:09	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	बुध	---
प्लूटो			वृश्चि	14:00:59	00:00:57	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	---
दशम भाव			सिंह	08:26:27	--	मघा	--	10	सूर्य	केतु	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:49:47

लग्न-चलित

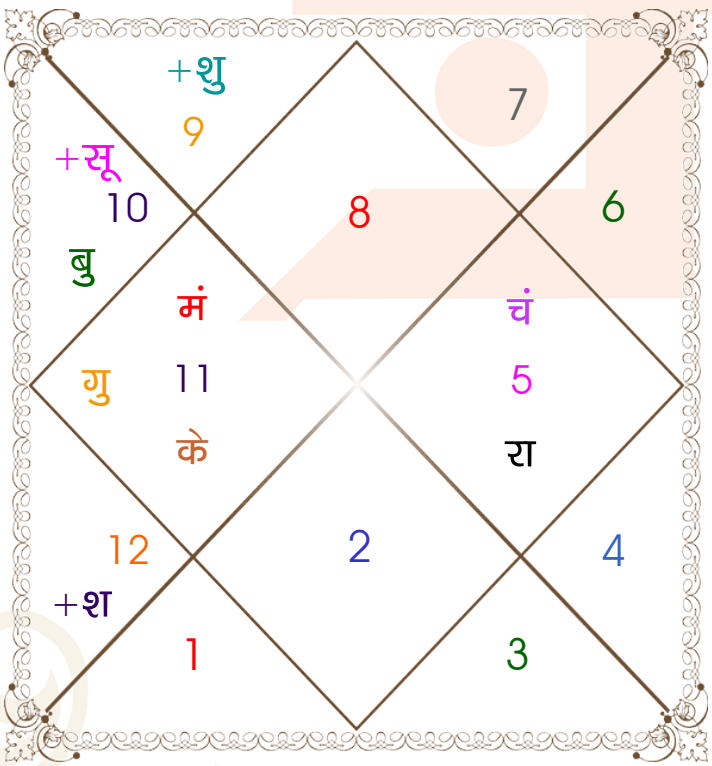

चन्द्र कुंडली

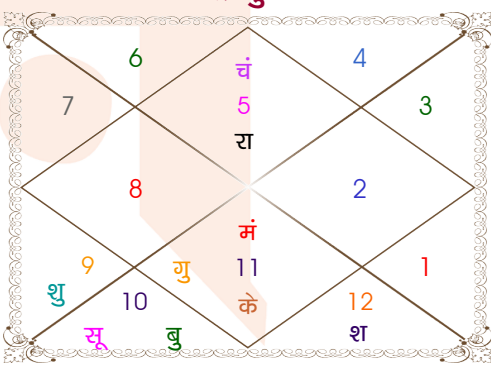

नवमांश कुंडली

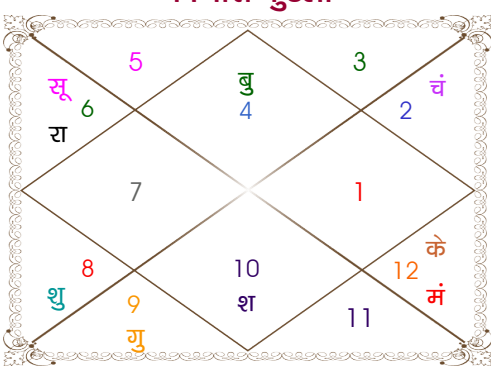

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 5 वर्ष 2 मास 8 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
12/02/1998		22/04/2003		22/04/2023		22/04/2029		22/04/2039	
22/04/2003		22/04/2023		22/04/2029		22/04/2039		22/04/2046	
	00/00/0000	शुक्र	22/08/2006	सूर्य	10/08/2023	चंद्र	20/02/2030	मंगल	19/09/2039
	12/02/1998	सूर्य	22/08/2007	चंद्र	09/02/2024	मंगल	21/09/2030	राहु	06/10/2040
सूर्य	26/03/1998	चंद्र	22/04/2009	मंगल	16/06/2024	राहु	22/03/2032	गुरु	12/09/2041
चंद्र	25/10/1998	मंगल	22/06/2010	राहु	10/05/2025	गुरु	22/07/2033	शनि	22/10/2042
मंगल	23/03/1999	राहु	22/06/2013	गुरु	26/02/2026	शनि	21/02/2035	बुध	19/10/2043
राहु	10/04/2000	गुरु	21/02/2016	शनि	08/02/2027	बुध	22/07/2036	केतु	16/03/2044
गुरु	16/03/2001	शनि	22/04/2019	बुध	16/12/2027	केतु	20/02/2037	शुक्र	16/05/2045
शनि	25/04/2002	बुध	20/02/2022	केतु	22/04/2028	शुक्र	22/10/2038	सूर्य	21/09/2045
बुध	22/04/2003	केतु	22/04/2023	शुक्र	22/04/2029	सूर्य	22/04/2039	चंद्र	22/04/2046

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
22/04/2046		22/04/2064		22/04/2080		22/04/2099		23/04/2116	
22/04/2064		22/04/2080		22/04/2099		23/04/2116		00/00/0000	
राहु	02/01/2049	गुरु	10/06/2066	शनि	26/04/2083	बुध	19/09/2101	केतु	19/09/2116
गुरु	29/05/2051	शनि	21/12/2068	बुध	03/01/2086	केतु	16/09/2102	शुक्र	19/11/2117
शनि	04/04/2054	बुध	29/03/2071	केतु	11/02/2087	शुक्र	17/07/2105	सूर्य	13/02/2118
बुध	21/10/2056	केतु	04/03/2072	शुक्र	13/04/2090	सूर्य	24/05/2106		00/00/0000
केतु	09/11/2057	शुक्र	03/11/2074	सूर्य	26/03/2091	चंद्र	23/10/2107		00/00/0000
शुक्र	09/11/2060	सूर्य	22/08/2075	चंद्र	24/10/2092	मंगल	19/10/2108		00/00/0000
सूर्य	03/10/2061	चंद्र	21/12/2076	मंगल	03/12/2093	राहु	09/05/2111		00/00/0000
चंद्र	04/04/2063	मंगल	27/11/2077	राहु	09/10/2096	गुरु	14/08/2113		00/00/0000
मंगल	22/04/2064	राहु	22/04/2080	गुरु	22/04/2099	शनि	23/04/2116		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 5 वर्ष 2 मा 12 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विशाखा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में वृश्चिक लग्नोदय काल में हुआ था। साथ-साथ वृश्चिक लग्न के उदित काल कर्क नवमांश एवं वृश्चिक द्रेष्काण भी उदित हुआ था। फलस्वरूप आपके जन्म आकृति से यह सूचित हो रहा है कि आपको समृद्धि एवं सफलता हेतु तीनों ओर से वाधित पथ में से कोई एक पथ का चयन करना होगा। आप अपने प्रतिपक्षी को बिना किसी भी प्रकार की अगुआई के आक्रमण कर उसे पराजित कर सकती हैं।

आप अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित प्राणी हैं। अच्छा समय आने पर आप धन संचय करने की महत्वकांक्षा की पूर्ति करने में सफल हो सकती हैं तथा आपकी वासनात्मक आकांक्षा की भी पूर्ति हो सकती है। यदि आपके साथ कोई डींग मारकर भ्रमित करता है तो आप अपने मस्तिष्क को झाड़पोछ कर एक ओर कर के उसके माप दण्ड को स्वीकार कर अपनी उन्नति के लिए द्विपक्ष में से उस पक्ष को अपने सहयोगी बना लेंगी जो आपके लिए उपयुक्त होगा। आप सदैव धनी अर्थात् समृद्धशाली व्यक्ति से इर्ष्या रखती हैं तथा आप चरम सीमा तक उसके साथ चलना ठीक समझती हैं। आपका सौभाग्य साथ दिया तो आप भविष्य में सफलता प्राप्त करने में अग्रसर होंगी। परंतु आप अधिकतर अहंकारिक भावना से अति असत्यता हेतु कठिन साध्य से ऊपर उठकर युद्धकारी प्रवृति कर लेंगी। परंतु आपको सर्वथा संयमित होना चाहिए। परिणामस्वरूप आप अपने शत्रु समुदाय की वृद्धि कर लेंगी। लेकिन आगे आप विषाक्त जलन उत्पन्न करती रही तो आपकी पूंछ को कतर देंगे अर्थात् आपको वे शत्रु पराजित कर देंगे।

आप अपने घरेलू जीवन में जो शासनपूर्ण व्यवहार करती हैं उस प्रवृति के प्रति झुकाव लाना होगा। इसके स्थान पर आपको सामंजस्यता की प्रवृति को स्वीकार करना उत्तम होगा। आप घर में तानाशाही प्रवृति जैसा व्यवहार करना चाहती है। आपकी इस प्रकार की प्रवृति रही अर्थात् इस प्रवृति का त्याग नहीं किया गया तो इस कारण वश अतिरिक्त लाभ करना एक जालसाजी सिद्ध होगा। जो अपने पति के साथ अच्छा संबंध नहीं रह सकेगा और दूसरा अन्य कारण आपकी वासनात्मक प्रवृति से स्वार्थ साधना प्रमाणित होगी। यद्यपि आप अपने पति के साथ स्नेहयुक्त संबंध रखेंगी। परंतु आप सदैव ज्वार भाटा के समान दूसरों के साथ वासनात्मक संबंध रखेंगी। यदि आप इन दो प्रमुख विशेषताओं का सुधार नहीं करती हैं तो आपका परिवारिक जीवन सुखी नहीं रहेगा। अतः आप अपनी आगामी कार्य योजना में वैवाहिक जीवन के समक्ष सार्थकता नहीं रह जाएगी। आप अपने विवाह हेतु अर्थात् जीवन साथी हेतु उस साथी का चयन करें जिसका जन्म कर्क, मीन, वृश्चिक, वृष, कन्या एवं मकर राशि में हुआ हो अर्थात् उपरोक्त राशियों का लड़का आपके वैवाहिक आनन्द हेतु उपयुक्त होगा।

यद्यपि आप बहुत अधिक धन का उपार्जन करेंगी। आप अपने बैंक के कोष की सुदृढ़ता चाहती हैं जबकि आप धन का अपव्यय भी किया करती हैं। आप बिना जरूरत धन का व्यय करने पर नियंत्रण रखें।

वृश्चिक राशि के प्राणी वृश्चिक स्वाभावात्मक प्राणी को पसंद नहीं करते। ये सामान्यतः समानुपातिक शारीरिक ढ़ाँचे के होते है। इनका व्यक्तित्व सुंदर लगता है। यद्यपि

इनकी आकृति औसतन उपयुक्त होती है। ये अपनी योजना को अधिकारपूर्ण ढंग से सम्मिलित करते हैं क्योंकि इनकी विस्तृत मुखाकृति स्थिर एवं घुंघराले बालों से युक्त होती हैं। ये अपनी मनोवृति के प्रति सतर्क रहते हैं। आप मध्यम अवस्था में मोटी हो जाएंगी। जिसकी वजह से इनकी आकृति बिगड़ सकती है, अन्यथा ये प्रतिभा संपन्न आकृति की होंगी।

आप शारीरिक दृष्टिकोण से पूर्णतः बलिष्ठ होंगी। परंतु आपको कतिपय रोगों के प्रति सतर्क रहना आवश्यक है, अन्यथा वृद्धावस्था में कुछ गलत प्रभाव से अति निर्बलता, ग्रन्थि रोग, एवं मस्तिष्क रोग से संबंधित मस्तिष्क ज्वर से आक्रांत हो सकते हैं।

आपको अपनी प्रगति हेतु निम्नांकित व्यवसायों में से उत्तम व्यवसाय का चयन करना चाहिए। यथा-केमेस्ट्री अनुसंधान कार्य, मेडिकल एवं मातृत्व चिकित्सा इन्सयोरेंस, आपराधिक छानबीन, लौह एवं स्टील के कार्य अथवा प्रतिरक्षा सेवा अथवा कलाकारिता आदि। आप संगीत कला का भी कुछ समय अभ्यास कर सकती हैं।

साप्ताहिक दिनों में आपका भाग्यशाली दिन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार, है। आपके लिए वास्तव में शुक्रवार, बुधवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल 1, 2, 3, 4 एवं 9 अंक है। इसे अतिरिक्त 5, 6 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए रंग पीला, लाल, नारंगी एवं क्रीम रंग अनुकूल है। इसके अतिरिक्त रंग सफेद, ब्लू एवं हरा रंग सर्वथा त्याज्यनीय है।